भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5133
02.04.2025 को उत्तर देने के लिए

ग्रामीण और शहरी भारत में नौकरी की तलाश करने वाले लोग

5133. श्री राजीव रायः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में श्रमिकों की संख्या कितनी है;

(ख) वर्ष 2016 से अब तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगार, काम करने के इच्छुक और नौकरी की तलाश करने वाले सक्रिय व्यक्तियों की संख्या वर्षवार कितनी है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बेरोजगार, काम करने के इच्छुक किन्तु नौकरी की तलाश में निष्क्रिय व्यक्तियों की संख्या वर्षवार कितनी है;

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अल्परोजगार, सीमांत रूप से जुड़े और हतोत्साहित श्रमिकों की संख्या कितनी है; और

(ङ) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पूर्णकालिक और अंशकालिक रूप से अलग-अलग कितने-कितने व्यक्ति कार्यरत थे?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

क) से (ङ): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय देश में रोजगार और बेरोजगारी की स्थिति से संबंधित विभिन्न संकेतकों का अनुमान लगाने के लिए वर्ष 2017 से आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस,) आयोजित कर रहा है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), बेरोजगारी दर (यूआर) आदि अर्थात् प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों का अनुमान देता है।

जुलाई, 2021- जून, 2022 से जुलाई, 2023- जून, 2024 की अवधि के दौरान आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस,) से, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रम

बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) के अनुमान नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं:

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण वर्ष 2021-22, 2022-23 और वर्ष 2023-24 से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) (प्रतिशत में) अखिल भारत		
सर्वेक्षण (वर्ष)	सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार एलएफपीआर (प्रतिशत में)	
	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र
पीएलएफएस, 2021-22	42.2	39.0
पीएलएफएस, 2022-23	43.4	39.8
पीएलएफएस, 2023-24	46.8	41.0
स्रोत: वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस, , वर्ष 2023-24 *नोट: 2023-24 का तात्पर्य जुलाई ,2023 से जून, 2024 तक की अवधि से है, इसी प्रकार वर्ष 2022-23 और वर्ष 2021-22 के लिए भी यही अवधि लागू होगी।*		

जुलाई, 2017- जून, 2018 से जुलाई ,2023- जून , 2024 की अवधि के दौरान आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस,) से, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में बेरोजगारी दर (यूआर) के अनुमान नीचे तालिका में दिए गए हैं:

पीएलएफएस, से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार बेरोजगारी दर (यूआर) (प्रतिशत में) अखिल भारत		
सर्वेक्षण (वर्ष)	सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार यूआर (प्रतिशत में)	
	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्रों
पीएलएफएस, 2017-18	5.3	7.8
पीएलएफएस, 2018-19	5.0	7.7
पीएलएफएस, 2019-20	4.0	7.0
पीएलएफएस, 2020-21	3.3	6.7
पीएलएफएस, 2021-22	3.3	6.3
पीएलएफएस, 2022-23	2.4	5.4
पीएलएफएस, 2023-24	2.5	5.1
स्रोत: वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस, , वर्ष 2023-24 नोट: वर्ष 2023-24 अर्थात् जुलाई, 2023 से जून ,2024 तक की अवधि से है, इसी प्रकार वर्ष 2022-23, 2021-22, वर्ष 2020-21, वर्ष 2019-20, वर्ष 2018-19 और वर्ष 2017-18 के लिए भी यही अवधि लागू होगी।		

जुलाई , 2021- जून, 2022 से जुलाई, 2023- जून, 2024 की अवधि के दौरान आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस,) से, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) के अनुमान और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति के अनुसार सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिकों का प्रतिशत वितरण नीचे दी गई तालिकाओं में दिया गया है:

पीएलएफएस, वर्ष 2021-22, वर्ष 2022-23 और वर्ष 2023-24 से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) (प्रतिशत में)

अखिल भारत

सर्वेक्षण वर्ष	सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार डब्ल्यूपीआर (प्रतिशत में)	
	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र
पीएलएफएस, 2021-22	40.8	36.6
पीएलएफएस, 2022-23	42.3	37.7
पीएलएफएस, 2023-24	45.6	38.9

स्रोत: वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस, , वर्ष 2023-24

नोट: वर्ष 2023-24 का तात्पर्य जुलाई , 2023 से जून, 2024 तक की अवधि से है, इसी प्रकार वर्ष 2022-23 और वर्ष 2021-22 के लिए भी यही अवधि लागू होगी।

पीएलएफएस, वर्ष 2021-22, वर्ष 2022-23 और वर्ष 2023-24 से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति के अनुसार सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिकों का प्रतिशत वितरण

अखिल भारतीय

सर्वेक्षण (वर्ष)	ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिकों का प्रतिशत वितरण		
	स्व-नियोजित	नियमित वेतन/मजदूरी	अनियमित श्रमिक
पीएलएफएस, 2021-22	61.5	12.5	25.9
पीएलएफएस, 2022-23	63.0	12.2	24.8
पीएलएफएस, 2023-24	64.7	12.7	22.5

सर्वेक्षण वर्ष	शहरी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिकों का प्रतिशत वितरण		
	स्व-नियोजित	नियमित मजदूरी /वेतन	अनियमित श्रमिक
पीएलएफएस, 2021-22	39.5	47.1	13.4
पीएलएफएस, 2022-23	39.6	48.0	12.4
पीएलएफएस, 2023-24	40.4	47.5	12.1

स्रोत: वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस, , वर्ष 2023-24

नोट: वर्ष 2023-24 का तात्पर्य जुलाई, 2023 से जून ,2024 तक की अवधि से है, इसी प्रकार वर्ष 2022-23 और वर्ष 2021-22 के लिए भी यही अवधि लागू होगी।

*****